Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to control price hike and bring Petrol and Diesel under GST.

श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक): मैडम, मैं सदन का ध्यान एक बहुत ही गम्भीर विषय की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं । मैं जिस विषय पर बोलने जा रहा हूं, यह समस्या गरीब से लेकर अमीर तक सभी की समस्या है । आप और हम सब जानते हैं कि बीच में एक साल हमारा कोरोना काल में गया । कोरोना काल में क्या-क्या हाल हुए, यह सभी को मालूम है । छोटे से लेकर बड़े लोगों तक, चाहे वह कितना भी पैसे वाला हो, उसके सामने कुछ नहीं कर पा रहा था । ऐसे में काफी लोगों की नौकरियां गईं, काफी लोगों का व्यवसाय ठप हुआ, काफी लोगों की सैलरी कम हुई, जिसमें हमारे सभी सांसदों की भी कम हुई और मंत्रियों की भी कम हुई ।

ऐसे समय में जो पेट्रोल और डीज़ल के दाम हैं, वे जिस तरह से बढ़ते जा रहे हैं, यह बहुत ही गम्भीर समस्या मुझे लगती है । मैं जानता हूं कि जब क्रूड ऑयल का रेट 110 रुपये था, उस समय 65 रुपये प्रति लीटर की दर से हमें पेट्रोल मिला करता था । आज क्रूड ऑयल का रेट इंटरनेशनल मार्केट में 60 रुपये है और मेरे नागपुर में, जहां से मैं सांसद हूं, वहां पर आज पेट्रोल 91.26 रुपये प्रति लीटर है । इसकी मुख्य खासियत बताना चाहता हूं कि अगर हमने इसे बायफर्केट करके देखा तो जो basic price exclusive of excise and VAT है, यह केवल 28 रुपये 26 पैसे है । उसके ऊपर लगने वाले अनेक टैक्सेज, जैसे एक्साइज़ ड्यूटी, सेन्ट्रल रोड्स इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड है । फिर स्टेट गवर्नमेंट का वैट आता है, फिर उनका सेस आता है । अभी एग्रीकल्चर का भी सेस लगने वाला है । इन सबको जोड़कर 91 रपये 26 पैसे उसका आज रेट है । इसका मतलब कि आज 28 रुपये 26 पैसे के पेट्रोल पर जो टैक्स लग रहा है, इसमें 62 रुपये टैक्स है, क्योंकि राज्य अलग टैक्स लेता है और केन्द्र सरकार अलग-से टैक्स लेती है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इस पेट्रोल-डीज़ल को भी जी.एस.टी. में ले आइए कि कम से कम जनता को 50 रुपये में पेट्रोल और डीज़ल उपलब्ध हो सके ।